-: एक कहानी :-

"आदत"

"ए. एस. बलगीर"

22.2.88

रामू पाँचवी कक्षा में पढ़ता था । वह पढ़ाई-लिखाई में काफी तेज था । एक दिन वह स्कूल से किसी लड़के की किताब चुराकर ले आया । किताब चुराकर घर लाने पर उसकी माँ ने उससे कुछ नहीं कहा । रामू के माँ बाप अमीर थे, मगर उनको झूठ बोलने तथा सच्ची-सच्ची बातों को छुपाने की आदत थी ।

अगले दिन रामू किसी के पैसे चुरा लाया । इस बार भी माँ ने रामू को कुछ नहीं कहा । कहने लगी "दो रूपये चुरा लिये तो क्या हुआ, दूसरे बच्चे भी तो ऐसी चोरी करते हैं । मेरे रामू ने चोरी की तो क्या गुनाह कर दिया ?" रामू के पिता अपने काम में इतने मग्न रहते थे कि वे उसकी ओर ध्यान ही नहीं देते थे ।

चोरी करने पर रामू के अध्यापक भी उसे कुछ नहीं कहते थे । वे कहते, "रामू के माता पिता को ही उसके गलत कामों पर ध्यान देना चाहिए ।" हम कक्षा के पचास बच्चों में हर एक का कैसे ध्यान रखें ?

इस तरह रामू बड़ा होकर एक बहुत बड़ा चोर बन गया और इस बार एक बड़ी चोरी करने पर उसे फाँसी की सजा हो गई । फाँसी लगने से एक दिन पहले रामू के माँ बाप को रामू से जेल में मिलने की इजाजत मिल गई । जैसे ही रामू ने अपने माँ बाप को देखा, उसने कान में कुछ कहने के बहाने उनके कान काट लिये । यह देखकर सभी लोगों ने रामू को बहुत बुरा-भला कहा । फिर बोले, "अरे, माँ बाप की तो हर भली-बुरी सन्तान भी इज्जत करती है । यह कैसा नीच पैदा हुआ है ।" रामू के माँ बाप गुस्से में बोले, "अरे बेटे, हमने तेरे लिये क्या नहीं किया था । तेरे को अच्छा खाने को देते थे, पहनने को देते थे । तेरे को पढ़ाया लिखाया और बड़ा किया ।"

रामू ने रोते-रोते सभी को बताया कि इन्हीं माँ बाप की गलती के कारण मैं आज इस हालत में हूँ । मेरे माँ बाप ने सब कुछ दिया मगर आचरण न सिखाया । जब मैं पहले किसी की किताब चुरा लाया था और इनके सामने मैंने झूठ बोला था तो इन्होंने मुझे समझाने की जगह प्यार किया था । इस तरह मेरी गलतियों पर पर्दा डालते रहे । अगर मेरी पहली गलती पर ही मुझे मेरे माँ बाप ने टोका होता और अच्छी बातें सिखायी होती तो आज मैं इतना बड़ा चोर न बन पाता और ना ही मुझे फाँसी होती । इसलिए मैंने इस समय अपनी सूझ-बूझ के अनुसार माँ बाप के साथ उचित व्यवहार ही किया है ।

सीख :-

§1§ बच्चो को कभी झूठ नहीं बोलना चाहिए । हमेशा सत्य बोलना चाहिए ।

§2§ यदि गलत काम हो जाए तो साफ-साफ बिना कुछ छिपाये अपने माँ बाप को बता देना चाहिए । गलती को छुपाना, गलती करने से भी बुरा काम माना जाता है ।

§3§ माँ बाप का यह कर्तव्य है कि जैसे ही उन्हें अपने बच्चे की गंदी आदत का पता लगे वह समाज की शर्म के मारे उसे छिपाने की कोशिश न करें और ना ही प्यार में आकर गलती पर पर्दा डालें । बच्चे को मारने पीटने की जगह उसे प्यार से सूझाने की कोशिश करें । यदि फिर भी वह न समझे तो उसे ऐसे ही न छोड़कर किसी भले आदमी से सलाह लेनी चाहिए जो बच्चे को गलत रास्ते से हटाकर सही रास्ते पर ला सके ।